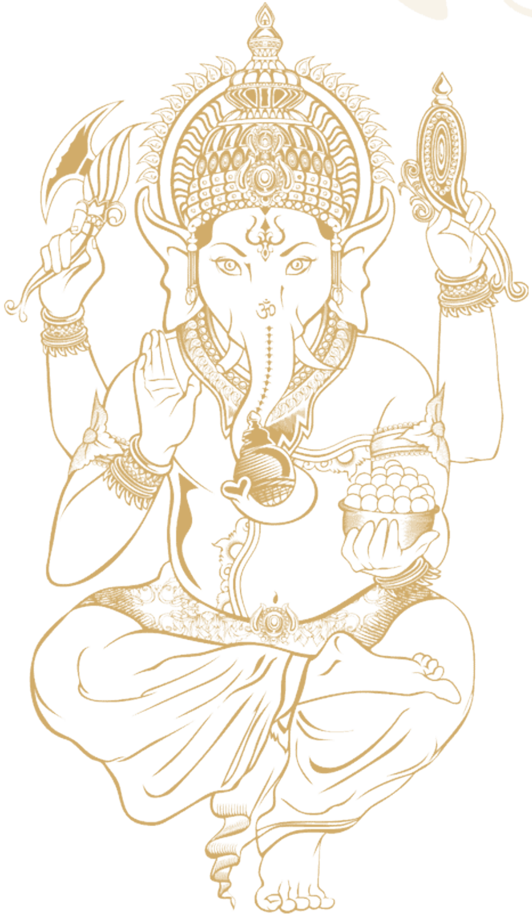

11 Mar 2026

06:03 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121550202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/03/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:03:00 घंटे**
इष्ट	28:37:48 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:41:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:02 घंटे
साम्पातिक काल	04:58:36 घंटे
सूर्योदय	06:35:52 घंटे
सूर्यास्त	18:26:56 घंटे
दिनमान	11:51:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:42:56 कुम्भ
लग्न के अंश	22:16:21 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:16:21	316:44:04	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	26:42:56	00:59:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	28:02:20	11:54:11	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	12:48:34	00:47:15	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	18:39:42	00:54:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:51:46	00:00:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	12:05:04	01:14:32	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि			मीन	08:46:31	00:07:23	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:39:47	00:00:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:39:47	00:00:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:46:43	00:01:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:12:20	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:34:38	00:01:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	21:38:34	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

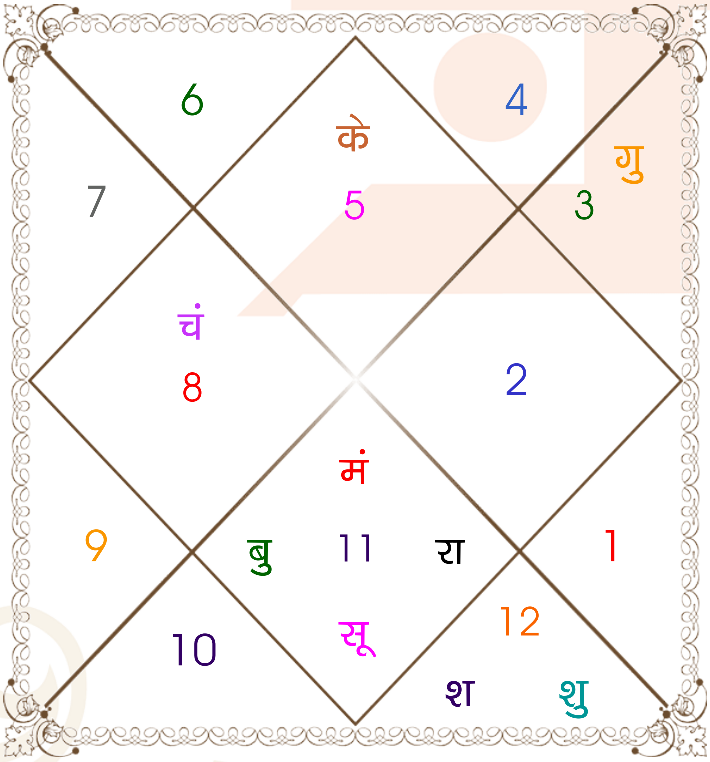

चन्द्र कुंडली

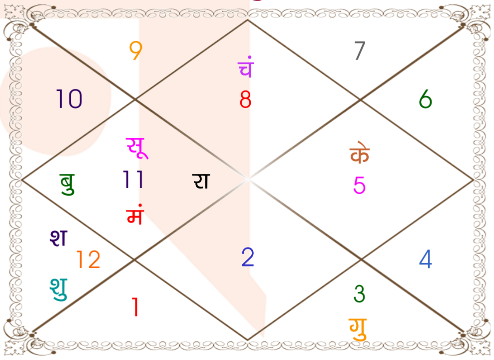

नवमांश कुंडली

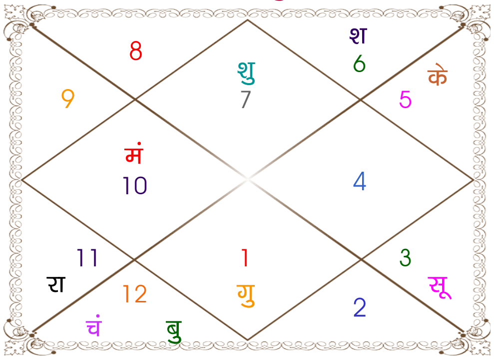

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 6 मास 0 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/03/2026		10/09/2028		10/09/2035		10/09/2055		10/09/2061	
10/09/2028		10/09/2035		10/09/2055		10/09/2061		10/09/2071	
	00/00/0000	केतु	06/02/2029	शुक्र	10/01/2039	सूर्य	29/12/2055	चंद्र	11/07/2062
	00/00/0000	शुक्र	08/04/2030	सूर्य	10/01/2040	चंद्र	29/06/2056	मंगल	09/02/2063
	00/00/0000	सूर्य	14/08/2030	चंद्र	10/09/2041	मंगल	03/11/2056	राहु	10/08/2064
	00/00/0000	चंद्र	15/03/2031	मंगल	10/11/2042	राहु	28/09/2057	गुरु	10/12/2065
	00/00/0000	मंगल	11/08/2031	राहु	10/11/2045	गुरु	17/07/2058	शनि	11/07/2067
	00/00/0000	राहु	28/08/2032	गुरु	11/07/2048	शनि	29/06/2059	बुध	10/12/2068
	00/00/0000	गुरु	04/08/2033	शनि	10/09/2051	बुध	05/05/2060	केतु	11/07/2069
	11/03/2026	शनि	13/09/2034	बुध	11/07/2054	केतु	10/09/2060	शुक्र	12/03/2071
शनि	10/09/2028	बुध	10/09/2035	केतु	10/09/2055	शुक्र	10/09/2061	सूर्य	10/09/2071

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/09/2071		10/09/2078		10/09/2096		11/09/2112		11/09/2131	
10/09/2078		10/09/2096		11/09/2112		11/09/2131		12/03/2146	
मंगल	06/02/2072	राहु	23/05/2081	गुरु	29/10/2098	शनि	14/09/2115	बुध	07/02/2134
राहु	24/02/2073	गुरु	17/10/2083	शनि	12/05/2101	बुध	24/05/2118	केतु	04/02/2135
गुरु	31/01/2074	शनि	23/08/2086	बुध	18/08/2103	केतु	03/07/2119	शुक्र	05/12/2137
शनि	12/03/2075	बुध	11/03/2089	केतु	24/07/2104	शुक्र	02/09/2122	सूर्य	11/10/2138
बुध	08/03/2076	केतु	30/03/2090	शुक्र	25/03/2107	सूर्य	15/08/2123	चंद्र	12/03/2140
केतु	04/08/2076	शुक्र	29/03/2093	सूर्य	11/01/2108	चंद्र	15/03/2125	मंगल	09/03/2141
शुक्र	04/10/2077	सूर्य	21/02/2094	चंद्र	12/05/2109	मंगल	24/04/2126	राहु	27/09/2143
सूर्य	09/02/2078	चंद्र	23/08/2095	मंगल	18/04/2110	राहु	28/02/2129	गुरु	01/01/2146
चंद्र	10/09/2078	मंगल	10/09/2096	राहु	11/09/2112	गुरु	11/09/2131	शनि	12/03/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 5 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरुष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।